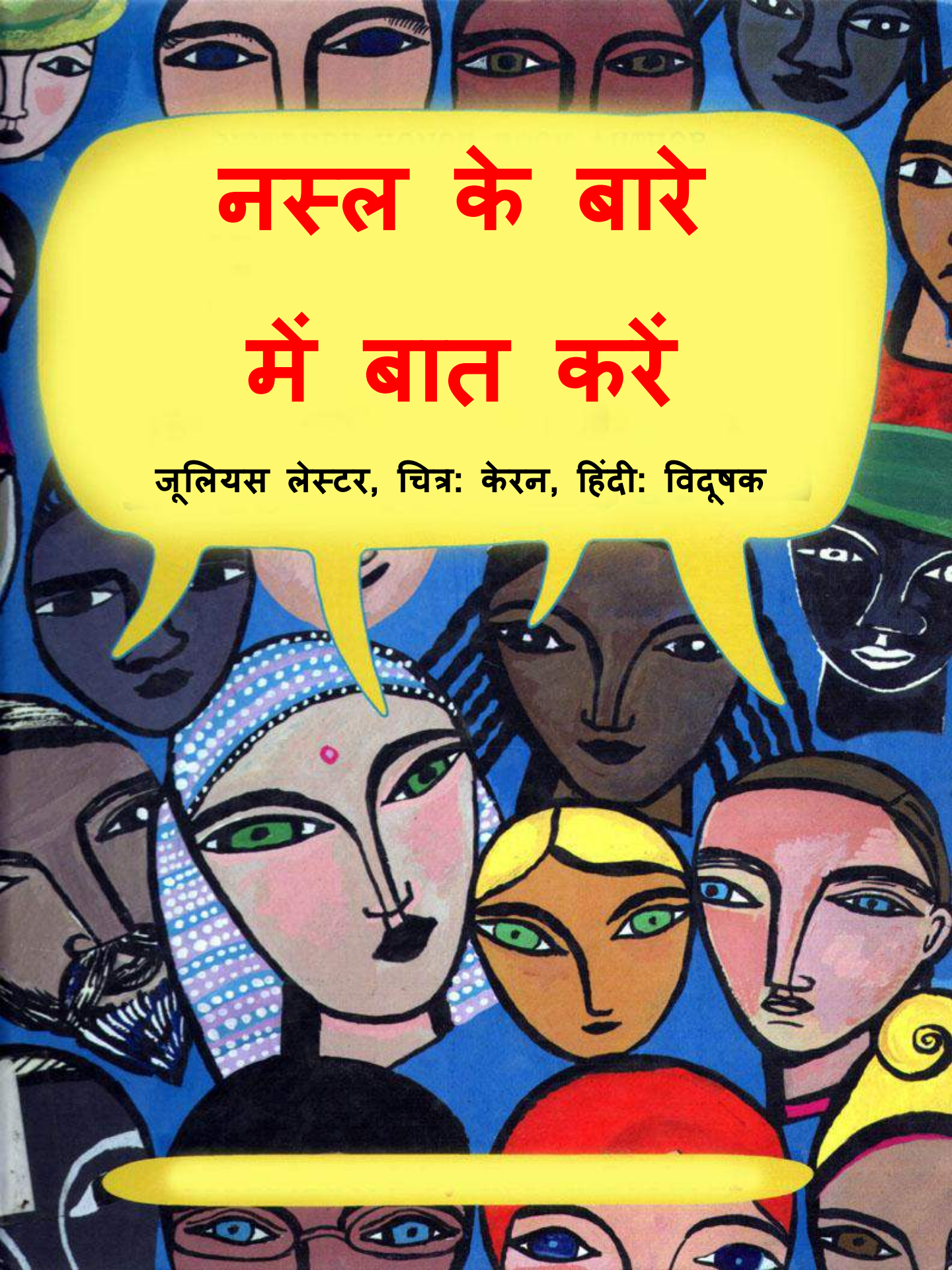

नस्ल के बारे में बात करें

जूलियस लेस्टर, चित्र: केरन, हिंदी: विदूषक

मैं एक कहानी हूँ.

तुम भी वही हो. हरेक वही है.

मेरी कहानी भी तुम्हारे जैसे ही शुरू होती है.

“मेरा जन्म ..... को हुआ.”

मेरी ही मिसाल लो,

मेरा जन्म 27 जनवरी, 1939 को सेंट-लुई,

मिसौरी में हुआ.

(मैं सचमुच में बूढ़ा हूँ!)

तुम्हारी
कहानी
कैसे
शुरू
होती
है?

मेरी कहानी के साथ बहुत से लोग और घटनाएँ जुड़ी हैं –
तुम्हारी कहानी के लिए भी यह सच होगा.
हमारे माता-पिता के नाम और उनके जन्म स्थल,
हमारे भाई-बहन हैं या नहीं,
(मेरा एक भाई था – मुझसे नौ साल बड़ा. पर अब वो नहीं रहा.)
हमारे माता-पिता क्या काम करते थे.
(मेरे पिता पादरी थे, और माँ घर-गृहस्थी संभालती थीं).

मेरी और तुम्हारी कहानी में बहुत से घटक होंगे – जैसे

प्रिय भोजन : मछली मुझे सबसे प्रिय है.

हॉबी : मुझे क्रॉसवर्ड पहेलियाँ, फोटोग्राफी
और खाना बनाना पसंद है.

प्रिय रंग : लाल, और फिर हरा. पर मुझे नारंगी और
बैगनी भी पसंद है. वैसे मुझे सभी रंग पसंद हैं.

धर्म : मैं यहूदी हूँ.

राष्ट्रीयता : मैं अमरीकी नागरिक हूँ.

सबसे प्रिय समय : रात.

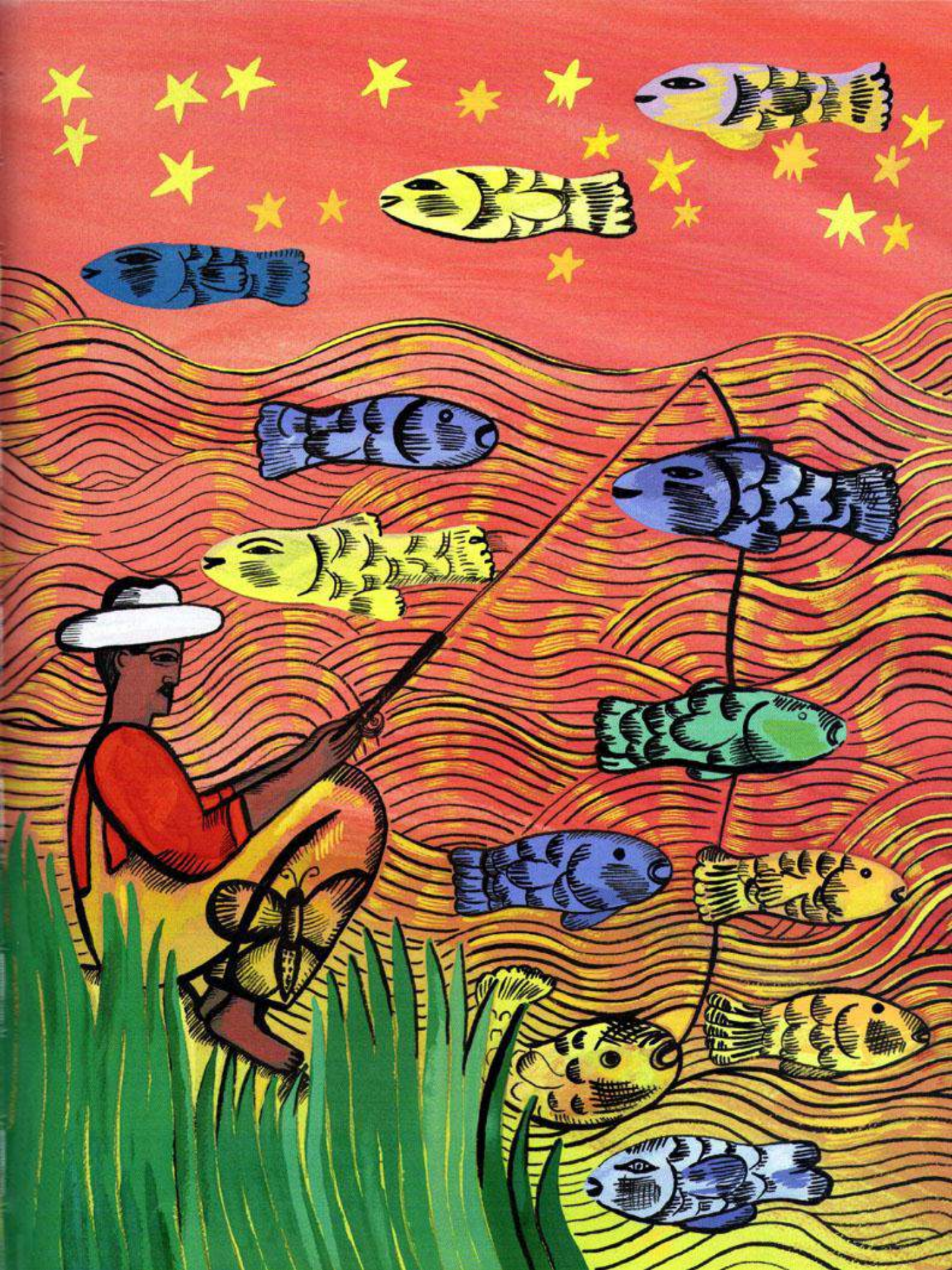

साथ में कुछ और भी है

तुम्हारे साथ भी वैसा ही होगा.

हम किस नस्ल के हैं.

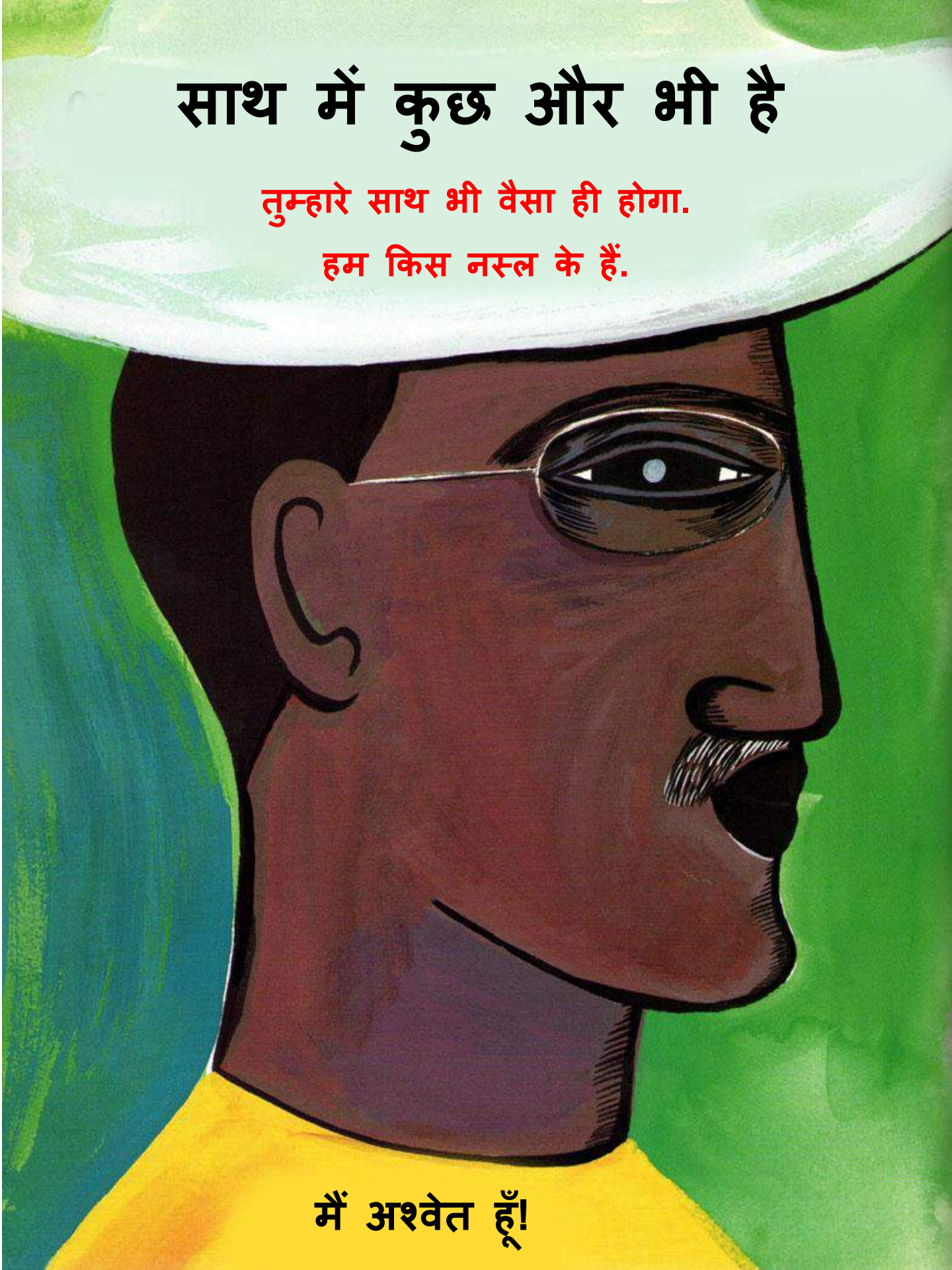

मैं अश्वेत हूँ!

अश्वेत होना मेरी कहानी का हिस्सा है

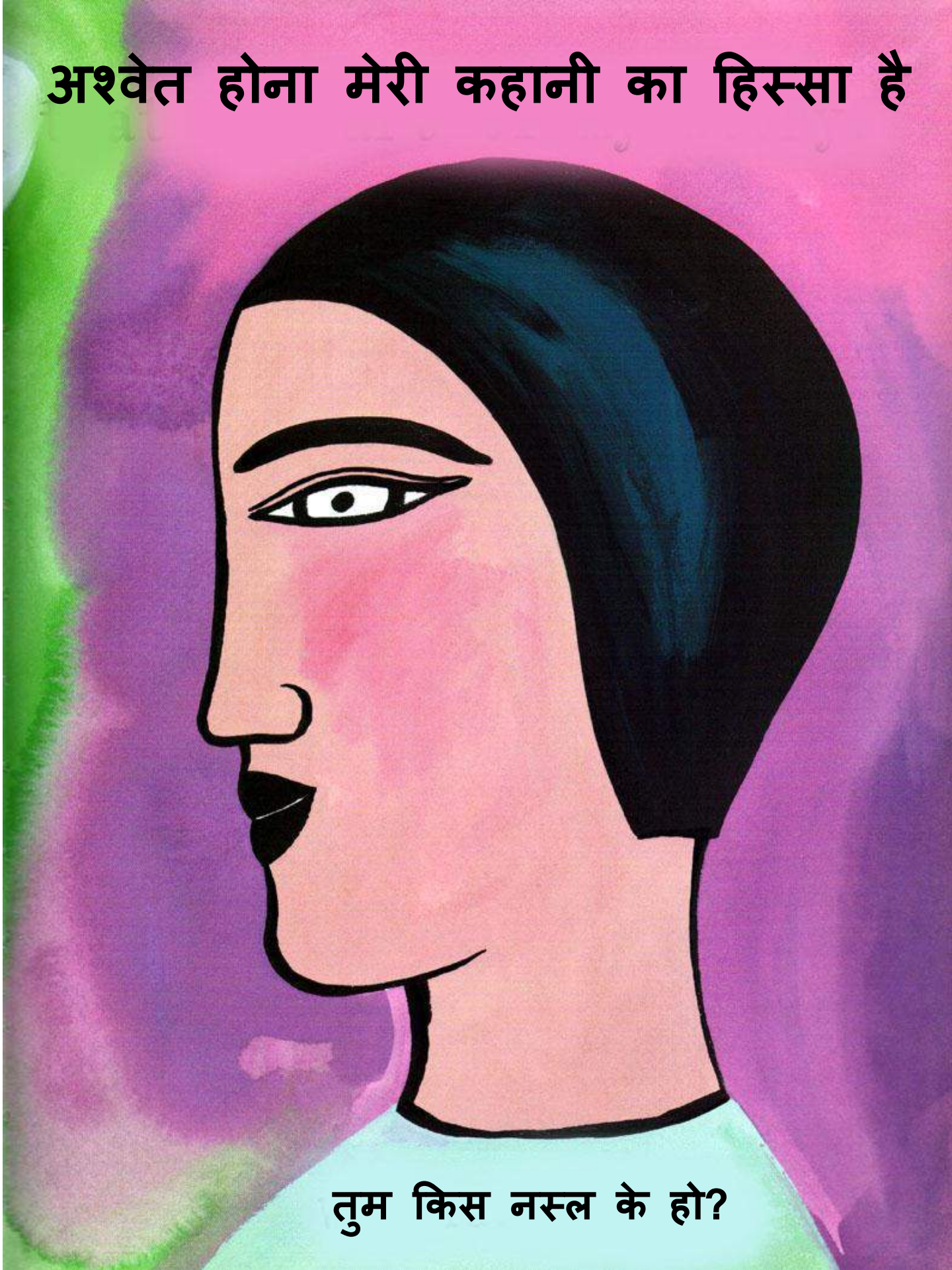

तुम किस नस्ल के हो?

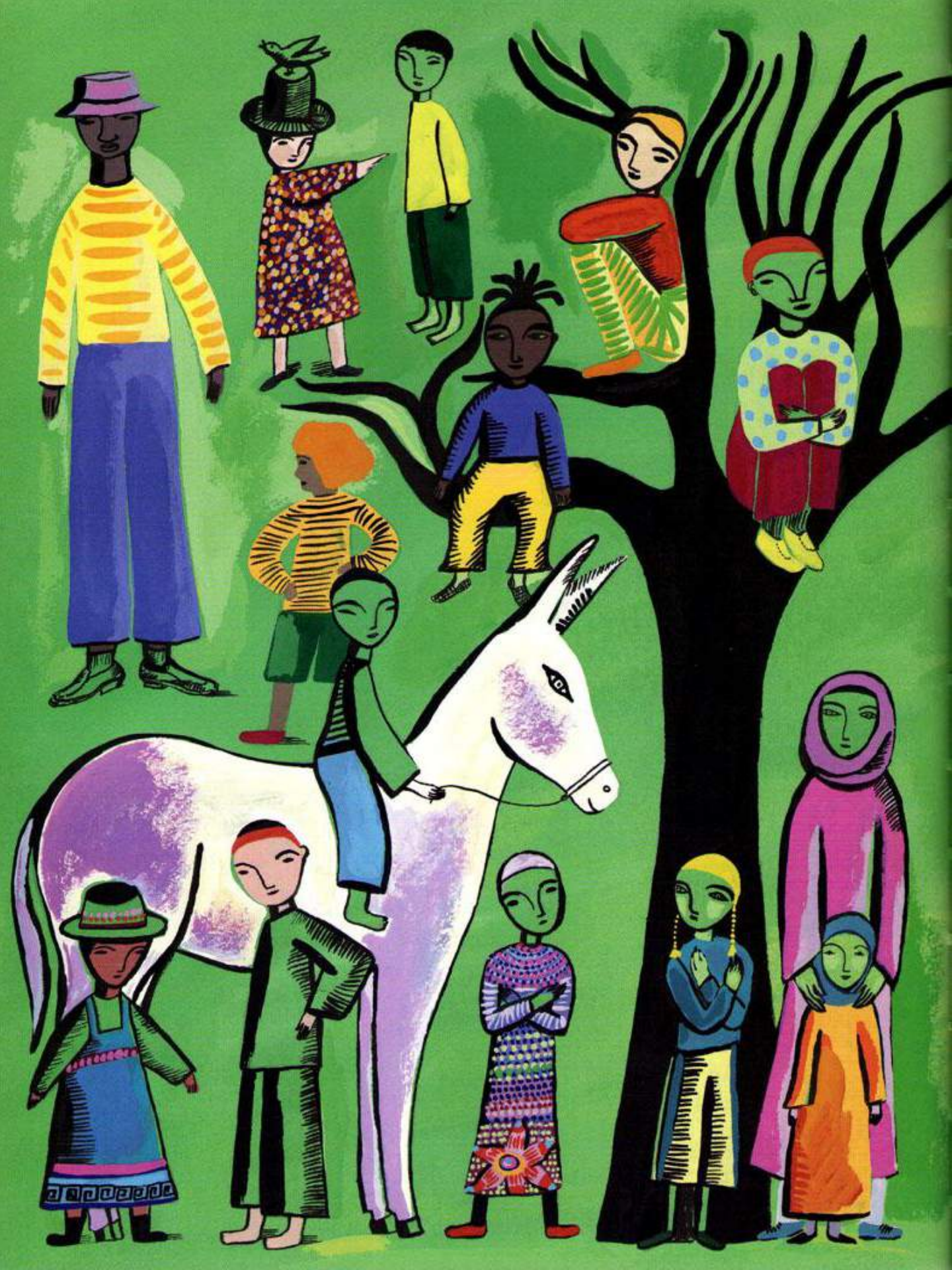

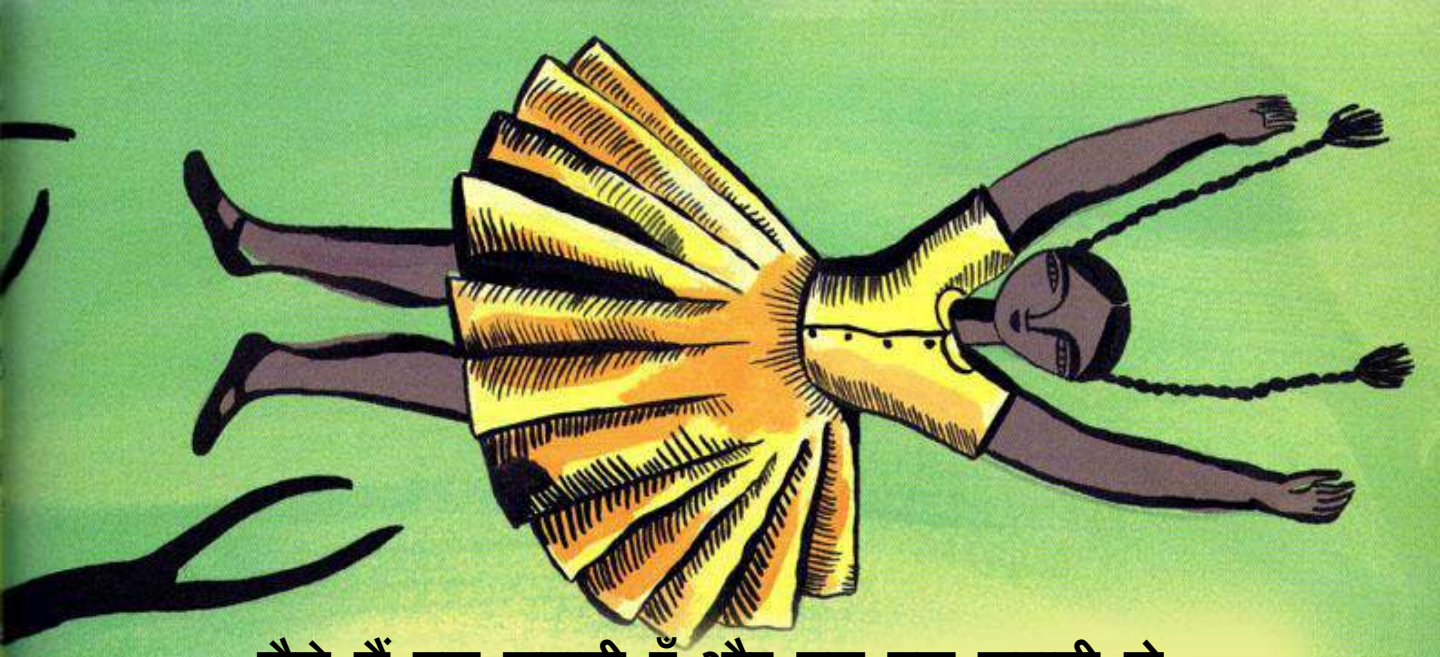

जैसे मैं एक कहानी हूँ और तुम एक कहानी हो,
वैसे ही, भिन्न देशों की भी अपनी-अपनी कहानियाँ होती हैं,
वैसे ही नस्ल की भी एक कहानी है.
चाहें तुम, मुझ जैसे अश्वेत, एशियन, या हिस्पैनिक (स्पेनिश) हो.
हरेक नस्ल की अपनी कहानी होती है.
अक्सर वो कहानी एक जैसी होती है -
"मेरी नस्ल तुमसे बेहतर है."

कुछ कहानियां सच होती हैं. कुछ झूठी.
जो कहते हैं – "मेरी नस्ल तुमसे बेहतर है."
वो असल में तुम्हें झूठी कहानी सुनाते हैं.

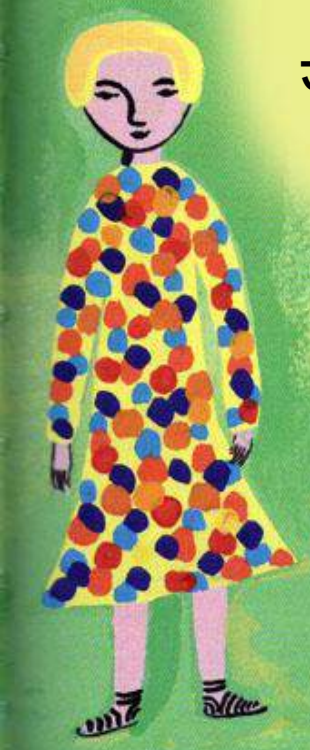

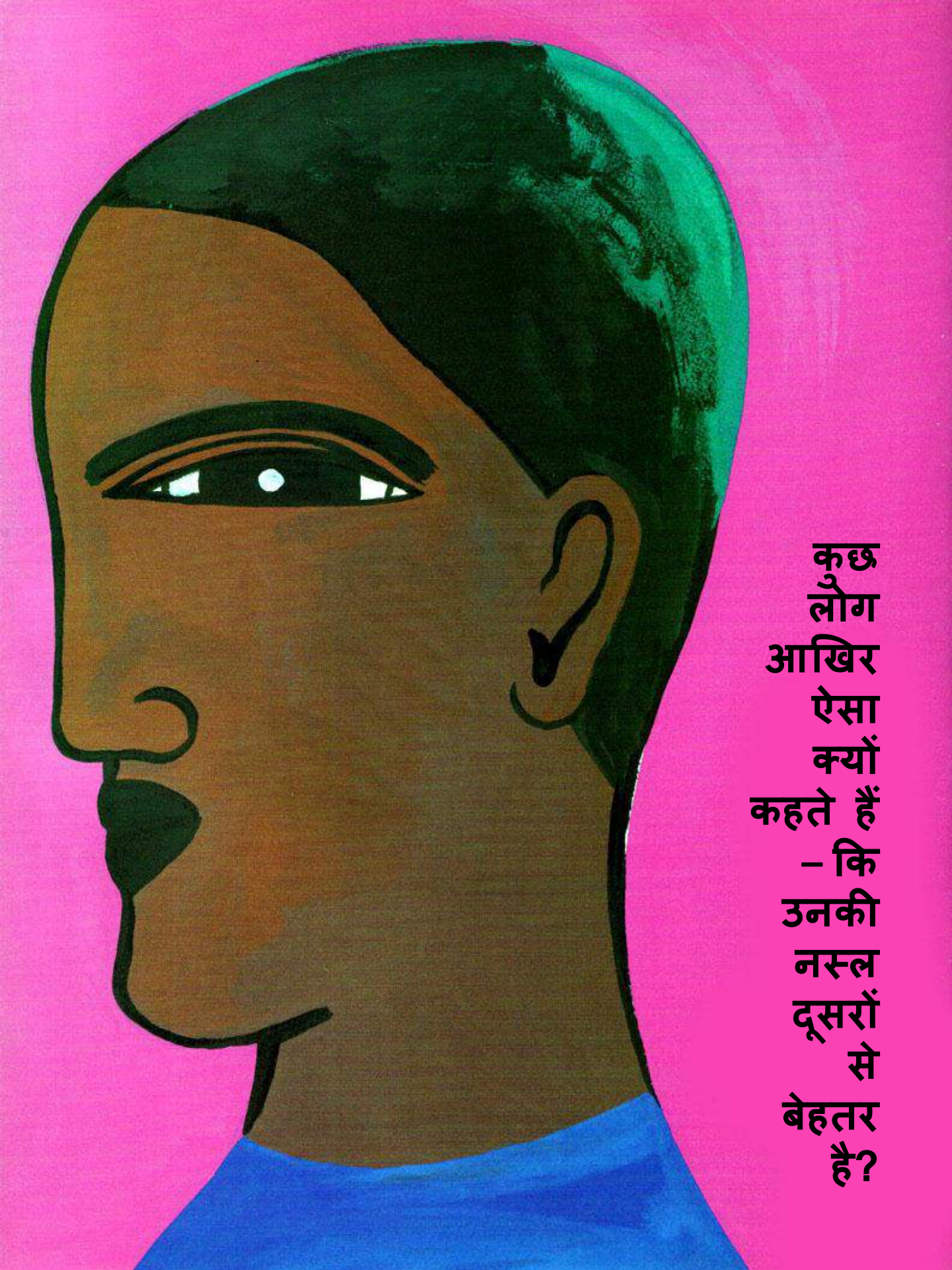

कुछ लोग आखिर ऐसा क्यों कहते हैं – कि उनकी नस्ल दूसरों से बेहतर है?

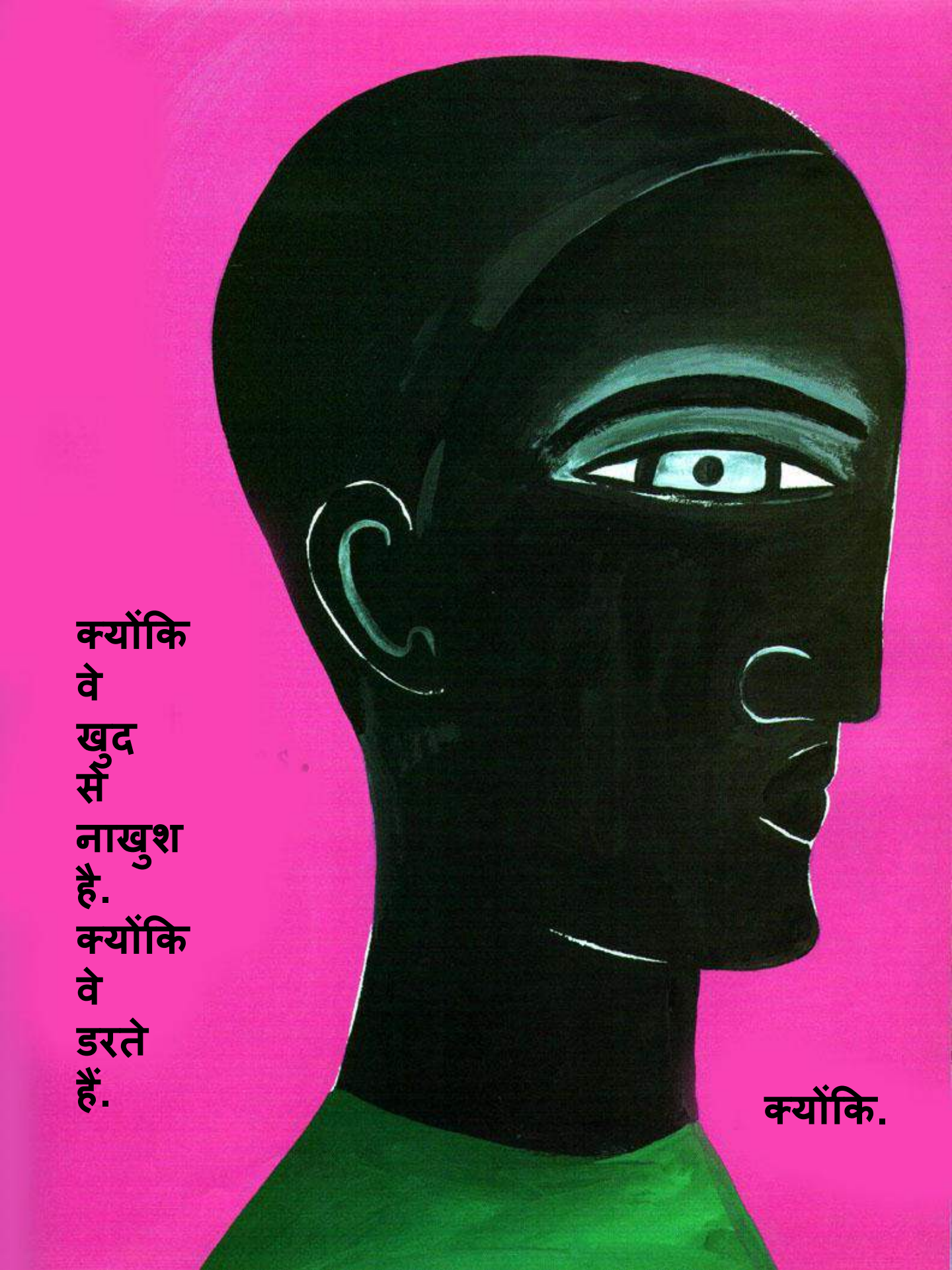
क्योंकि
वे
खुद
से
नाखुश
है.
क्योंकि
वे
डरते
हैं.
क्योंकि.

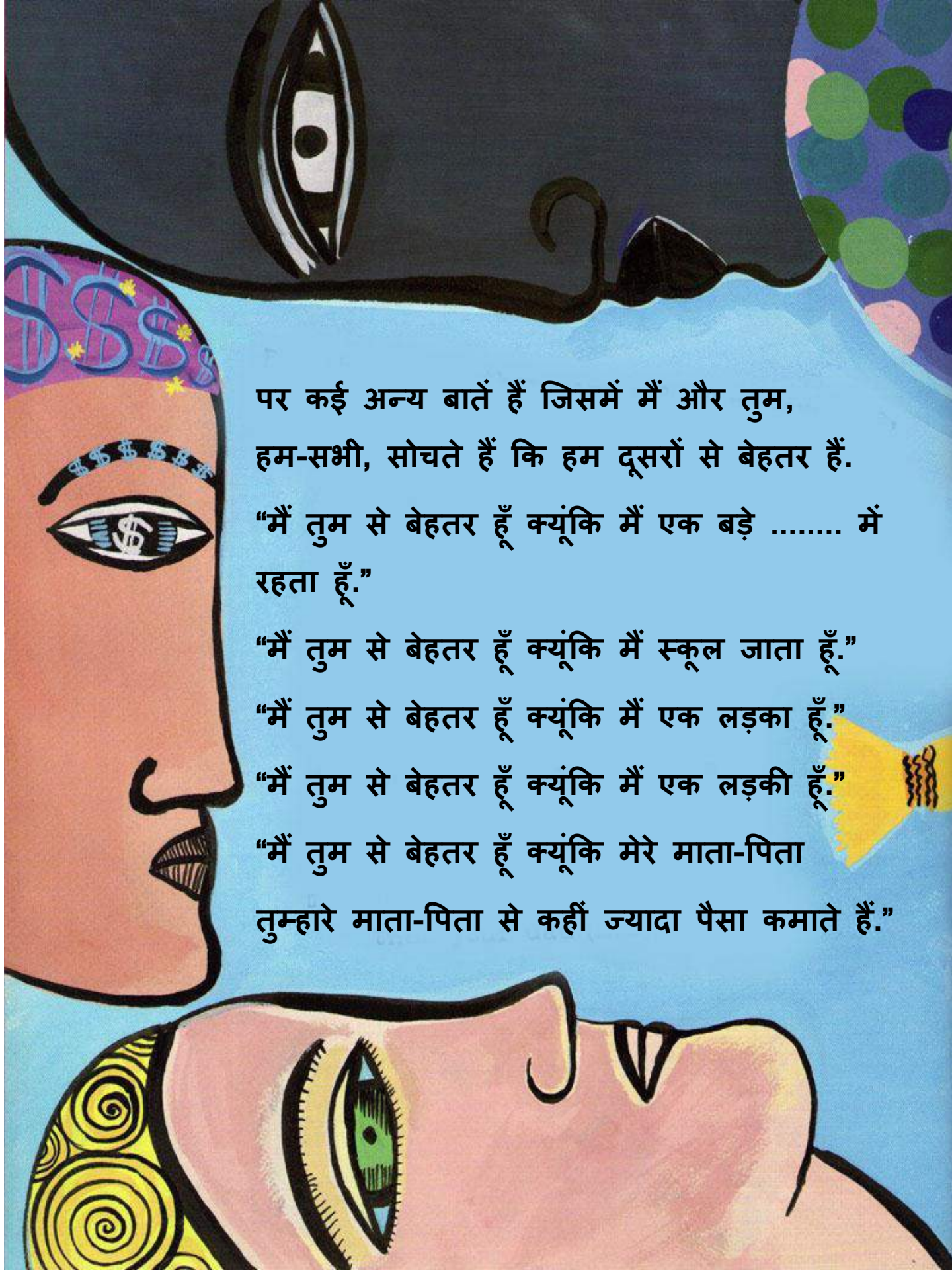

पर कई अन्य बातें हैं जिसमें मैं और तुम,
हम-सभी, सोचते हैं कि हम दूसरों से बेहतर हैं.

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं एक बड़े ..... में रहता हूँ.”

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं स्कूल जाता हूँ.”

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं एक लड़का हूँ.”

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं एक लड़की हूँ.”

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मेरे माता-पिता
तुम्हारे माता-पिता से कहीं ज्यादा पैसा कमाते हैं.”

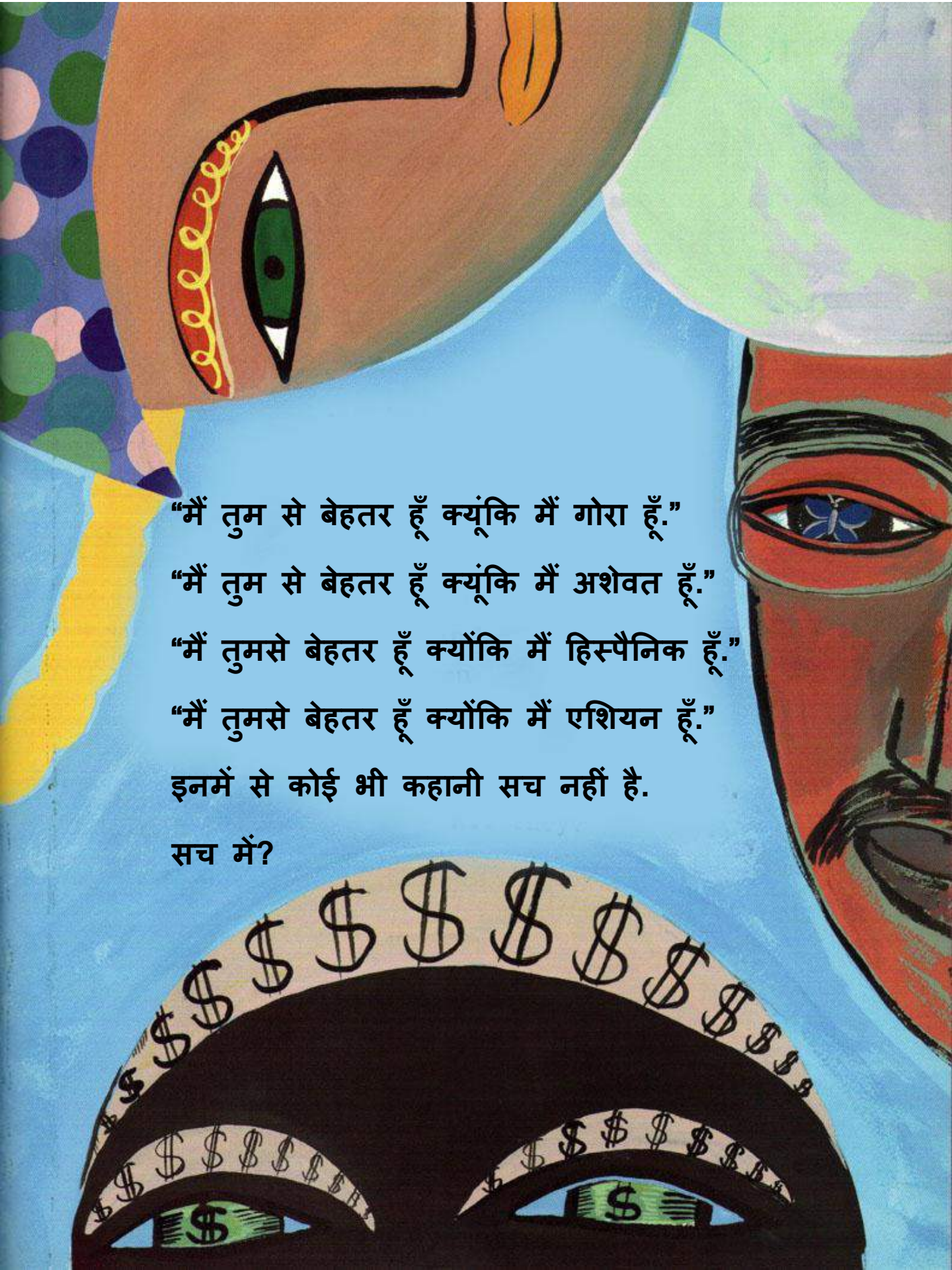

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं गोरा हूँ.”

“मैं तुम से बेहतर हूँ क्यूंकि मैं अशेवत हूँ.”

“मैं तुमसे बेहतर हूँ क्योंकि मैं हिस्पैनिक हूँ.”

“मैं तुमसे बेहतर हूँ क्योंकि मैं एशियन हूँ.”

इनमें से कोई भी कहानी सच नहीं है.

सच में?

मैं तुम्हें एक कहानी सुनाना चाहता हूँ.
पर उसमें मुझे, तुम्हारी कुछ मदद चाहिए.

मैं चाहता हूँ कि तुम यह काम करो:

अपनी उँगलियों से आँखों के नीचे वाले भाग को हल्के से दबाओ. सावधानी बरतना कि कहीं आँख को नुकसान नहीं पहुँचे.

ठीक है. अब उँगलियों को दबाओ और नीचे की कठोर हड्डी महसूस करो.

अगर तुम्हारे माता-पिता, भाई-बहन पास में हों तो उनसे पूछो कि क्या तुम उन्हें छू सकते हो. अगर वो इज़ाज़त दें तो फिर अपनी उँगलियां, उनकी आँखों के नीचे रखो. फिर दबाओ, जिससे तुम उनकी चमड़ी के नीचे की कठोर हड्डी महसूस कर सको.

फिर अपने शरीर में कहीं और दबाओ –हाथ, सीने या सिर को, जिससे तुम वहां नीचे की हड्डियों को महसूस कर सको.

हरेक की चमड़ी के नीचे वही कठोर हड्डियाँ होंगी.

अगर तुम अपनी चमड़ी और बालों के बिना बाहर जाओगे तो तुम कैसे दिखोगे उसे तुम अगले पन्ने पर देख सकते हो.

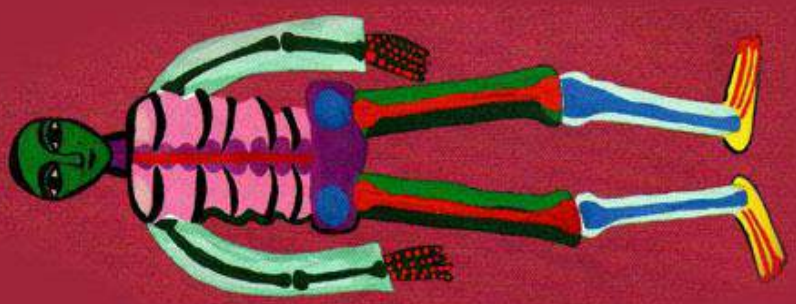

पर क्या तुम कुछ जानना चाहते हो?

अगर मैं अपनी चमड़ी, बालों और मूंछो के बिना बाहर गया तो फिर मैं भी, बिल्कुल तुम्हारे जैसा ही दिखूंगा. तब तुम, बिल्कुल मुझ जैसे दिखोगे.

कल्पना करो. सिर्फ सोचो. अगर एक दिन इस दुनिया में सभी लोगों ने अपने कपड़े, चमड़ी और बाल उतारने का निर्णय लिया, तो फिर भी हम अपने रोजाना के काम करेंगे - स्कूल जायेंगे, खेलेंगे और दुकानों से ज़रुरी चीज़ें खरीदेंगे. सब कुछ सामान्य जैसा ही होगा. हम लोग एक-दूसरे को देखेंगे पर यह नहीं बता पाएंगे कि उनमें से कौन मर्द है, कौन औरत, कौन गोरा है, कौन काला, कौन हिस्पैनिक है, कौन एशियन.

हम किस कहानी में यकीन करें? वो जो कहती है
“मेरी नस्ल तुमसे बेहतर है”? या फिर वो कहानी जो
हमने मिलकर अभी खोजी है:

चमड़ी के नीचे वाली

जिसमें, मैं तुम्हारे जैसा दिखता हूँ
और तुम मुझे जैसे.

सोचो, तुम बिल्कुल उसके
जैसी लगती हो,
और वो बिल्कुल
तुम्हारे जैसा दिखता है.

वो बिल्कुल हमारे जैसे ही दिखते हैं,
और हम उनके जैसे.
जब मैं तुम्हें देखता हूँ, तो मैं किस कहानी को देखता हूँ?

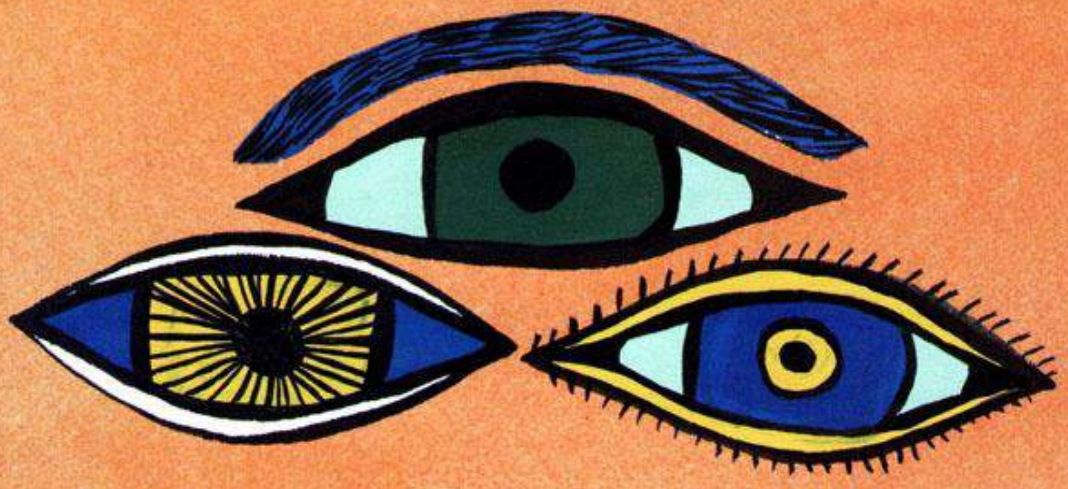

क्या मैं सिर्फ तुम्हारे

शरीर की चमड़ी देखता हूँ?

तुम्हारी आँखों का आकार देखता हूँ?

या तुम्हारे बालों का रंग देखता हूँ?

तुम्हें देखकर मुझे लगता है कि जैसे मुझे तुम्हारी कहानी पता है,
पर असलियत में, मुझे तुम्हारा नाम तक नहीं पता?
मैं तुम्हें देखकर अचरज करता हूँ :
कि तुम्हारा नाम क्या है?
तुम कहाँ पैदा हुए?
तुम कहाँ रहते हो?
तुम्हें क्या पसंद है?
तुम्हें क्या नापसंद है?
हो सकता है कि तुम्हारी और मेरी पसंद
और नापसंद में, काफी मेल हो.

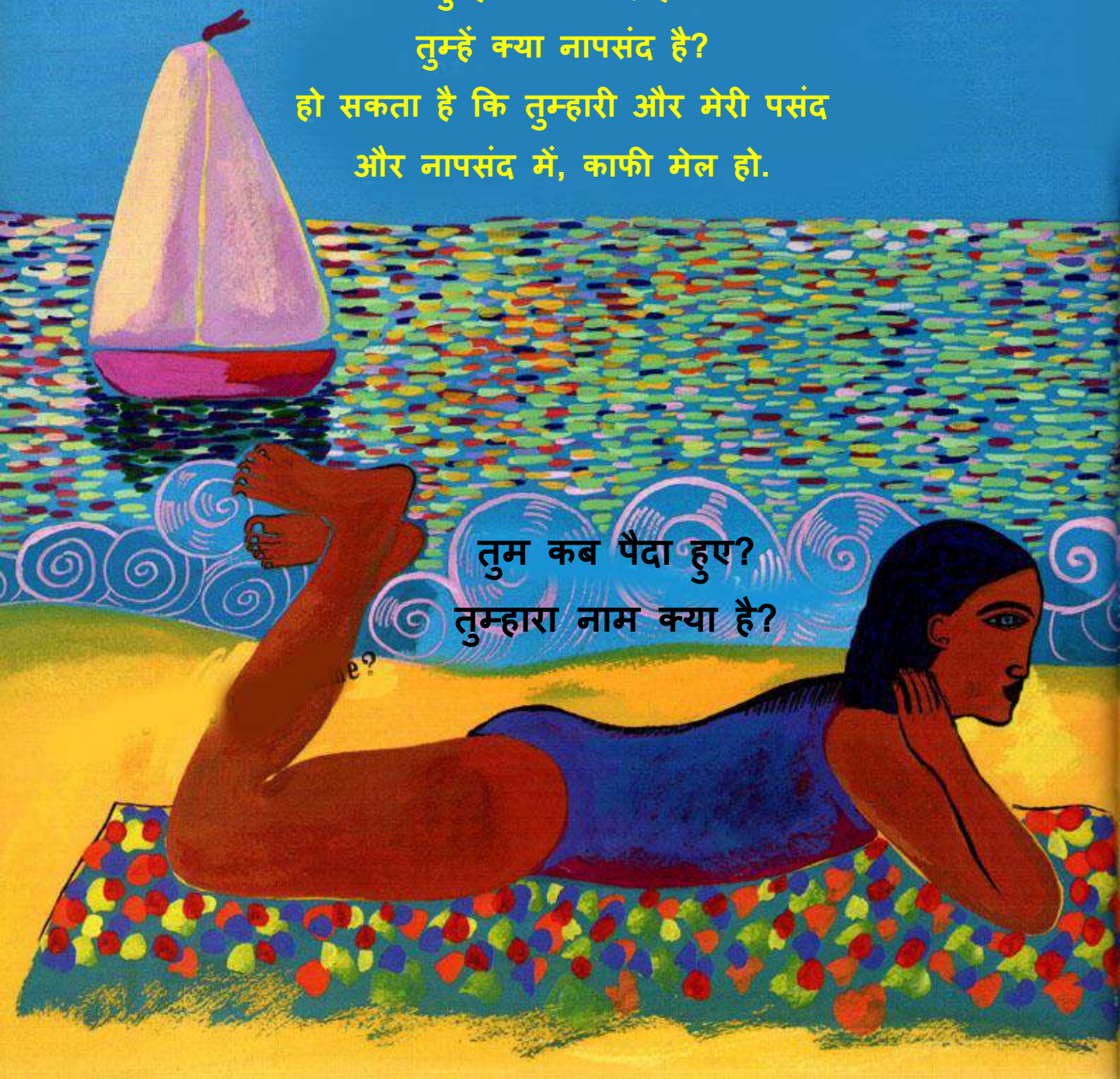

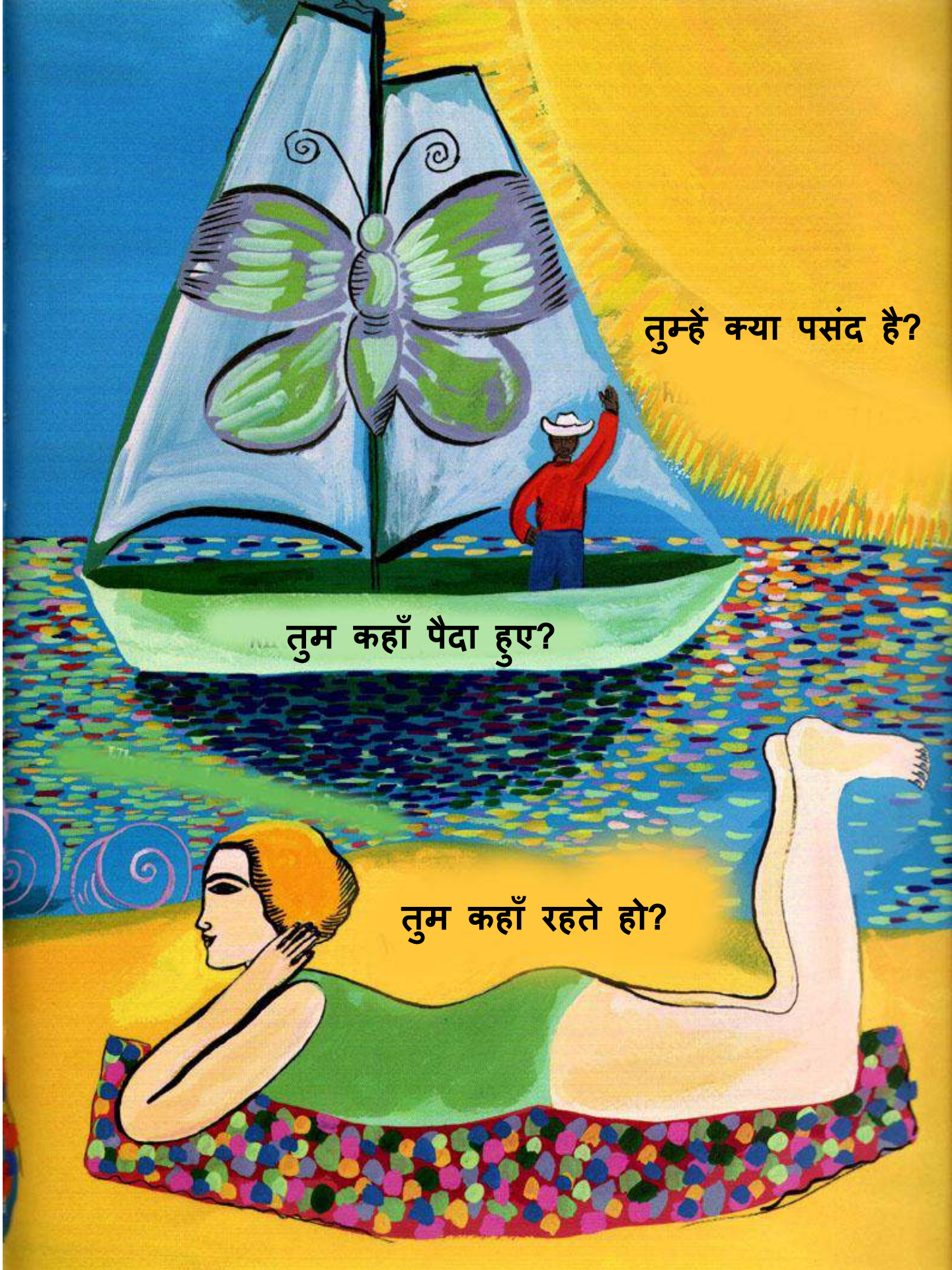
तुम्हें क्या पसंद है?
तुम कहाँ पैदा हुए?
तुम कहाँ रहते हो?

तुम्हारी नस्ल, बिल्कुल तुम्हारी
जैसी नहीं है. मेरी नस्ल, बिल्कुल
मेरे जैसी नहीं है. हाँ, मैं अश्वेत हूँ पर
मैं एक आदमी हूँ. मैं औसत ऊंचाई का हूँ.
मेरी आवाज़ भारी है और मेरी हंसी ज़ोरदार है.
मैं एक छोटे शहर के हरियाली वाले इलाके के एक
बड़े घर में रहता हूँ. मुझे पैनकेक्स, मैकारोनी और
पनीर पसंद है ... और ... और ...

मैं फलां, फलां हूँ – मैं अपनी नस्ल से, कई बातों में अलग हूँ.
मेरी कहानी जानने के लिए, मैं जो कुछ भी हूँ वो सब तुम्हें
एक-साथ इकट्ठा करना होगा.

(मैं शर्त लगाता हूँ, तुम्हें यह नहीं पता
होगा कि मुझे दमा - या अस्थमा है)

चमड़ी के नीचे हम सब लोग एक जैसे हैं.

तुम और मैं.

मैं अपनी चमड़ी उतार दूंगा?

क्या

तुम

अपनी

चमड़ी

उतारोगे?